Roll No. .....

E–3194(S)

B. A. (Part II) Suppl. EXAMINATION, 2021

(New Course)

HINDI LITERATURE

Paper Second

(हिन्दी निबन्ध तथा अन्य गद्य विधाएँ)

Time : Three Hours] [*Maximum Marks : 75*

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित गद्यांशों की प्रसंग सहित व्याख्या कीजिये : 21

(क) "प्रगट सभ्य अंतर छलधारी। सोई राज सभा बल भारी।
साँच कहै ते पनही खावैं। झूठे बहुविधि पदवी पावैं॥"

अथवा

"जर्द था उनका चेहरा ..... आँखों में आँसू थे। इतने बड़े शहंशाह की आँखों में आँसू ? उन्होंने हमारे सामने घुटने टेक दिये और कहा—शहंशाहे आलमगीर ! हमें हमारा बेटा औरंगज़ेब वापस कर दो ..... बादशाही लिबास में हमारा बेटा खो गया है।"

P. T. O.

(ख) "यह नयी शिक्षा क्या हुई, चरित्र की बागडोर छोड़ दी गई। मन के विकार और भावना की आँधी में सेमर की रुई-सी हमारी यह पीढ़ी उड़ी जा रही है।"

अथवा

"जिस दिन तुमने मुझे यहाँ ला दिया, उसी वक्त हमारी पोजीशन जाहिर हो गयी। सारी आदतें बच्चों की खराब हो गयीं। गन्दगी पसंद हो गए बच्चे। सदा रोनी सूरतें बनाकर घूमने लगे। पढ़ने-लिखने से जी चुराने लगे।"

(ग) "क्रोध करने वाला जिस ओर से दुःख आता है, उसी ओर देखता है, अपनी ओर नहीं। जिसने दुःख पहुँचाया है उसका नाश हो या उसे दुःख पहुँचे, क्रुद्ध का यही लक्ष्य होता है। ..... यही क्रोध का अंधापन है।"

अथवा

"यह वक्त भी कहीं मोटे होने का है। मैं शर्म से कमरे में छिपा बैठा रहा, जैसे कुमारी गर्भ को छिपाती है। मेरे देशवासियो, मुझ बेशर्म को क्षमा करना। भारतमाता, क्षमा करना, तेरा यह एक कपूत मोटा हो गया।"

2. " 'अंधेर नगरी' में आज की मूल्यहीन राजनीति, व्यक्ति के खोखलेपन, लालच एवं अंधी न्याय व्यवस्था के दर्शन सहज ही होते हैं।" इस कथन का विवेचन कीजिए। 12

अथवा

'क्रोध' निबंध के संदर्भ में क्रोध की सामाजिक उपयोगिता पर प्रकाश डालिये।

3. 'दस हजार' एकांकी का सारांश एवं उद्देश्य लिखिये। 12

अथवा

'औरंगज़ेब की आखिरी रात' एकांकी के आधार पर औरंगज़ेब का चरित्र-चित्रण कीजिये।

4. निम्नलिखित विषयों में से किन्हीं तीन पर टिप्पणियाँ लिखिए : 15

(i) प्रहसन के तत्व

(ii) 'बसंत आ गया है' निबंध का उद्देश्य

(iii) बाबू गुलाबराय की निबंधगत प्रमुख विशेषता

(iv) 'मम्मी ठकुराइन' एकांकी के आधार पर 'मम्मी' का चरित्र-चित्रण।

(v) राहुल सांकृत्यायन का यात्रा-साहित्य

(vi) महादेवी वर्मा का संस्मरण-साहित्य

5. निम्नलिखित कथन सत्य हैं या असत्य, बताइये (कोई पंद्रह) : प्रत्येक 1

(i) 'अंधेर नगरी' के अंत में फाँसी पर गोवर्धनदास चढ़ता है।

(ii) 'भारत दुर्दशा' नाटक के रचनाकार आचार्य रामचंद्र शुक्ल हैं।

(iii) राहुल सांकृत्यायन प्रसिद्ध एकांकीकार हैं।

(iv) 'लछमा' की लेखिका महादेवी वर्मा हैं।

(v) हबीब तनवीर रचित प्रसिद्ध नाटक हैं—'चरणदास चोर'।

(vi) 'वसंत आ गया है', निबंध के लेखक हैं—आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी।

(vii) बेईमानी की परत' के लेखक हैं—उदय शंकर भट्ट।

(viii) विद्यानिवास मिश्र ने हिन्दुस्तान को एक अमराई के रूप में देखा है।

(ix) 'काव्येषु नाटकं रम्यं' बाबू गुलाबराय का प्रसिद्ध निबंध है।

(x) आचार्य रामचंद्र शुक्ल के अनुसार बैर क्रोध का ही दूसरा रूप है।

(xi) औरंगज़ेब की बहन का नाम जीनत था।

(xii) 'एक दिन' एकांकी में मोहन के दोस्त का नाम रामनाथ है।

(xiii) 'स्ट्राइक' एकांकी पर पाश्चात्य एकांकियों का प्रभाव है।

(xiv) 'दस हजार' एकांकी के लेखक हैं—उदय शंकर भट्ट।

(xv) 'चिंतामणि' आचार्य रामचंद्र शुक्ल रचित निबंध संग्रह है।

(xvi) हरिशंकर परसाई की प्रसिद्ध व्यंग्य रचना है—'भोलाराम का जीव'।

(xvii) 'स्ट्राइक' एकांकी का प्रमुख पात्र है—श्रीचंद।